

२५/१२/२५

पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता वादी मज नारी
अनुपस्थित। रकः-रक कर तीर-वार आवापे किलवारी
वर्ष। खजाने की 5000 से चुका है। कतः वादी मज
अधिवक्ता वादी के अनुपस्थित रहने पर वादी का वाद
अपन हाजरी। अपन पेशी से खारिज किया जाता है।
पत्रावली जिसका शुमार होकर अम्बर से मज हो

निर्णय करने के लिये अनुपस्थित मज।

